संस्कृतव्याकरणम्/संस्कृतव्याकरण

(246)

शिक्षक-अंकितमूल्यांकन-पत्रम्/ शिक्षक-अंकितमूल्यांकन-पत्र

पूर्णांका:/पूर्णांक – 20

निर्देशा: (i) सर्वे प्रश्ना: अनिवार्या:। प्रश्नानुसारम् अङ्का: समक्षे निर्देशिता:।

(ii)उत्तरपुस्तिकाया: प्रथमपृष्ठे स्वनाम, अनुक्रमांकसंख्या, शिक्षणकेन्द्रस्य नाम इति सर्वं लेखनीयम्।

निर्देश: (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अनुसार अंक सामने दिए गए हैं।

(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक संख्या, अध्ययन केंद्र का नाम लिखिए।

1. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- 2

(क)व्याकरणशब्दस्य उत्पत्तिं अर्थं च लिखत। (दृष्टव्य-1)

(ख) संस्कृतभाषायां प्रत्ययप्रयोगविषये टिप्पणीं लिखत। (दृष्टव्य-2)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) व्याकरण शब्द की उत्पत्ति और अर्थ लिखिए। (देखें पाठ-1)

(ख) संस्कृत भाषा में प्रत्यय के प्रयोग पर एक टिप्पणी लिखिए। (देखें पाठ-2)

2. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- 2

(क)'इको यञ्चि' इति अस्य सूत्रस्य अर्थं लिखन् उदाहरणद्वयमपि ददातु। (दृष्टव्य-6)

(ख) 'चुटू' इति अस्य सूत्रस्य अर्थं लिखन् उदाहरणद्वयमपि ददातु। (दृष्टव्य-10)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) 'इको यणचि' इस सूत्र का अर्थ लिखते हुए दो उदाहरण भी बताइए। (देखें पाठ-6)

(ख) 'चुटू' इस सूत्र का अर्थ लिखते हुए दो उदाहरण भी बताइए। (देखें पाठ-10)

3. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- 2

(क) 'अतो भिस ऐस्' अस्य सूत्रस्य अर्थं लिखन् उदाहरणमपि ददातु। (दृष्टव्य-11)

(ख) 'सुड़नपुंसकस्य' अस्य सूत्रस्य अर्थं लिखन् उदाहरणमपि ददातु। (दृष्टव्य-12)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) 'अतो भिस ऐस्' इस सूत्र का अर्थ लिखते हुए उदाहरण भी बताइए। (देखें पाठ-11)

(ख) 'सुड़नपुंसकस्य' इस सूत्र का अर्थ लिखते हुए उदाहरण भी बताइए। (देखें पाठ-12)

4. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत- 4

(क) 'प्रतिपादिकार्थलिंगपरिमानवचनमात्रे प्रथम' इति सूत्रं विस्तरेण व्याख्यातव्यम्। (दृष्टव्य-19)

(ख) 'कर्मणि द्वितीया' इति सूत्रम् उदाहरण सहितं व्याख्यायत। (दृष्टव्य-20)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-

(क)'प्रतिपादिकार्थलिंगपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा' इस सूत्र की विस्तार से व्याख्या कीजिए। (देखें पाठ-19)

(ख) 'कर्मणि द्वितीया' इस सुत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (देखें पाठ-20)

5. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत- 4

(क) 'गुरुः शिष्यं धर्मं शास्ति' इति वाक्यस्य सिद्धिप्रक्रियां लिखत। (दृष्टव्य-21)

(ख) 'गतिबुद्धिप्रत्यवसानार्थशब्दकर्माकर्मकाणामणि कर्ता स णौ ' इति सूत्रम् उदाहरण सहितं व्याख्यायत। (दृष्टव्य -21)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-

(क) 'गुरुः शिष्यं धर्मं शास्ति' इस वाक्य की सिद्धि प्रक्रिया लिखिए। (देखें पाठ-21)

(ख) 'गतिबुद्धिप्रत्यवसानार्थशब्दकर्माकर्मकाणामणि कर्ता स णौ' इस सुत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (देखें पाठ-21)

6. अधोलिखितेषु कमपि एकं विषयमधिकृत्य परियोजना-विवरणं लिखत। 6

(क) 'कृत्यप्रकरणम्' इति पाठस्य केषान्चित् पञ्च सुत्राणि व्याख्यायत। (दृष्टव्य-26)

(ख) 'पूर्वकृदन्तम्-१' इति पाठस्य केषान्चित् पञ्च सुत्राणि व्याख्यायत। (दृष्टव्य-27)

नीचे दिए गए किसी एक विषय पर परियोजना रूप में विवरण दीजिए। 6

(क) 'कृत्यप्रकरण' इस पाठ के किन्हीं पाँच सूत्रों की व्याख्या कीजिए। (देखें पाठ-26)

(ख) 'पूर्वकृदन्त-१' इस पाठ के किन्हीं पाँच सूत्रों की व्याख्या कीजिए। (देखें पाठ-27)